

15/10
24

आपका वकील काठी न उपस्थित
होकर इच्छा पत्र 0238। फर पत्रादिमा। जित
पर मुनागमा। प्राथना पत्र 038। फर सी कर दिमा
जाकर दवा वकी इकारिज दिमा जात्र ही प्रमाप
जैमल मुगार होकर दारिमल द पत्र है।



उपखण्डाधिकारी
बाड़ी धंसपुरा हज